हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 8 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 33.0 डिग्री
न्यूनतम 19.5 डिग्री

डाइट हुसैनपुर में नव पदोन्नत प्राचार्यों का 12 दिवसीय... 11

'फूलों में सज रहे हैं श्री वृंदावन बिहारी और संग... 11

खबर संक्षेप

शराब के ठेके के पास मिला शव

रेवाड़ी। आशियाकी में अपनी बहन से मिलने के बाद निकला युवक घर नहीं पहुंचा। उसका शव चिल्हड़ गांव में शराब के ठेके पास पड़ा हुआ मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा दिया। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही चल पाएगा। नारनौल के पुल बाजार निवासी लगभग 40 वर्षीय शिवराज उर्फ सतीश दो दिन पहले अपनी बहन के घर आशियाकी गांव में आया था। बहन से मिलने के बाद वह किसी अन्य रिश्तेदारी में जाने की बात कहते हुए निकला था। इसके बाद वह न तो रिश्तेदारी में पहुंचा और न ही अपने घर। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, परंतु उसका कोई पता नहीं चला।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत, खेत में मिला शव

रेवाड़ी। रसगण में रविवार की रात करीब 38 वर्षीय युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव खेत में पड़ा हुआ था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा दिया। ऐसा माना जा रहा है कि शराब के अधिक सेवन से उसकी मौत हुई है। पुलिस के अनुसार रसगण निवासी रविंद्र दो दिन पूर्व घर से निकला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। परिजन ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। सोमवार सुबह रविंद्र का शव उसके खेत में पड़ा मिला। सूचना मिलने के बाद धारूहेड़ा पुलिस ने मौके पर जाकर शव को कब्जे में ले लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया।

ई-रिक्शा चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई ई-रिक्शा को बरामद की है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। गत 5 जुलाई को मोहल्ला आदर्श नगर नजदीक पुराना बिजली घर रेवाड़ी निवासी राजेश कुमार ने अपनी शिकायत में बताया था की गत 1 जुलाई को उसने अपनी ई रिक्शा को रेवाड़ी ट्रामा सेंटर के बहार खड़ी किया था। जिसे कोई नाम पता नामालूम व्यक्ति चोरी करके ले गया है। कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त आरोपी गांव नांधा निवासी जितेन्द्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया है।

तेल टैंकर की चपेट में घायल बुजुर्ग ने तोड़ा दम

रेवाड़ी। करनावास के पास तेल टैंकर की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुए 75 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद टैंकर चालक को गिरफ्तार कर लिया।

कमालपुर निवासी निरंजन गत 29 जून को गांव के पास ही रिलायंस रोड पर पक्षियों को दाना डालने के बाद घर लौट रहा था। इसी दौरान एक तेल टैंकर ने उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में निरंजन गंभीर रूप से घायल हो गया था। परिजनों ने उसे शहर के एक अस्पताल में दाखिल कराया, जहां से उसे रेफर कर दिया गया था। बाद में परिजन उसे गुरूग्राम के अस्पताल ले गए थे। वहां उपचार के दौरान निरंजन की मौत हो गई।

गांव टूमना से लोहे के एंगल चुरा ले गए चोर

कोसली। गांव टूमना में चोर शनिवार रात खाद के गड्ढे के चारों ओर लगी बाड़ के तार व लोहे की एंगल चोरी कर ले गए। राजेन्द्र सिंह ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव की फिरनी पर उनका परिवारिक खाद बनाने का साठ गज का गड्ढा है, जिसके चारों ओर दो माह पूर्व ही पैमाइश कराकर लोहे की तारों व एंगल से बाड़ लगवाई गई थी। रविवार प्रातः जब मौके पर गए तो बाड़ गायब मिली। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया है।

इस सप्ताह बार-बार बदलता रहेगा मौसम, अच्छी बारिश से उमस भरी गर्मी से राहत

मनेठी पर मेहरबान हुए इंद्रदेव, पानी निकासी के इंतजाम फेल, कोसली में नहीं हुई अच्छी बारिश

- मनेठी खंड में इंद्रदेवता जमकर मेहरबान हुए, तो कोसली में सबसे कम बारिश दर्ज की गई
- जिले में औसत 32 एमएम बरसात दर्ज की गई। दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

रेवाड़ी। सोमवार को बरसात के बाद सरकुलर रोड पर पानी का दरिया।

जिले में हुई बरसात के आंकड़े

मनेठी	61.1 एमएम
पाल्हावास	53 एमएम
बावल	35 एमएम
रेवाड़ी	32 एमएम
नाहड़	30 एमएम
डहीना	16 एमएम
धारूहेड़ा	11 एमएम
कोसली	8 एमएम

रेवाड़ी। नाईवाली सब्जीमंडी बरसात के पानी से लबालब।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

मानूसन की शुरूआत के बाद रविवार की रात जिले के कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई। मनेठी खंड में इंद्रदेवता जमकर मेहरबान हुए, तो कोसली में सबसे कम बारिश दर्ज की गई। बारिश के बाद उमस भरी गर्मी से कुछ हद तक राहत मिल गई। जिले में औसत 32 एमएम बरसात दर्ज की गई। दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। इस सप्ताह झमाझम बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। बारिश के बाद शहर के निचले इलाकों में पानी एकत्रित होने से लोगों को परेशानी का सामना भी करना पड़ा। रविवार देर सायं जिले के कई भागों में अच्छी बरसात हुई। सोमवार सुबह 8 बजे तक मनेठी खंड में सर्वाधिक 61.1 एमएम बारिश दर्ज की गई, जबकि कोसली खंड में सबसे कम 8 एमएम बारिश हुई।

शहर में 32 एमएम बारिश दर्ज की गई। रविवार शाम तक भारी उमस ने लोगों का जमकर पसीना छुड़ाया। रात को भी उमस भरी गर्मी ने खूब परेशान किया। बारिश शुरू होने के बाद मौसम सुहाना हो गया। सुबह तक मौसम का मिजाज ठंडा बना रहा। सोमवार सुबह भी कई इलाकों में हल्की बरसात हुई। अधिकतम तापमान 2.5 डिग्री की गिरावट के साथ 33.0 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर तक आसमान में बादल छाए रहने से मौसम ठंडा बना रहा। दोपहर बाद आसमान साफ होते ही तेज धूप निकलने से उमस भरी गर्मी ने एक बार फिर से लोगों का पसीना निकालना शुरू कर दिया। शाम के समय आसमान में बादल गहराने से एक बार फिर बरसात की संभावना बन गई। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह बार-बार हल्की से लेकर मध्यम तक बारिश हो सकती है। मौसम लगातार परिवर्तनशील बना रहेगा।

शहर में बारिश के बाद जलभराव

अभी मानसून के सीजन में भारी बारिश नहीं हुई है। हल्की बारिश में ही निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है। सोमवार को सुबह के समय पानी एकत्रित होने से नाईवाली चौक पर वाहनों का जाम लगा रहा। नालों की सफाई होने के कारण बरसात की पानी निकासी व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है, जिससे कुछ समय बाद ही पानी निकल जाता है। कुछ स्थानों पर जलभराव के कारण अभी भी परेशानी हो रही है। टूटी सड़कों के गड्ढे लोगों के लिए आफत बने हुए हैं।

किसानों को सिंचाई से मिली राहत

बारिश नहीं होने के कारण किसानों को फसल बचाने के लिए सिंचाई का सहारा लेना पड़ रहा था। भारी गर्मी के चलते बाजरे की फसल पीली पड़नी शुरू हो गई थी। अच्छी बरसात होने के बाद कपास और बाजरा दोनों फसलों को इसका फायदा मिल रहा है। किसानों को कुछ समय के लिए फसलों की सिंचाई करने से राहत मिल गई है। बारिश के बाद बिजली की खपत में भी लगभग 10 लाख यूनिट तक की कमी आई है। कृषि क्षेत्र में बिजली की मांग कम हो गई है।

रेवाड़ी। भाड़ावास गेट के पास जमा बरसात का पानी, अनाजमंडी से सचिवालय रोड पर गड्ढे में जमा बरसात का पानी तथा नेहरू पार्क के सामने सड़क पर जमा बरसात का पानी। फोटो : हरिभूमि

ऑनलाइन टास्क के नाम पर लाखों की ठगी का एक और आरोपी काबू

- सोशल मीडिया पर ऑनलाइन टास्क के जरिए पैसा कमाने के लिए एक व्हाट्स एप ग्रुप से जुड़ा था

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन टास्क के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

कंपनी बाग रेवाड़ी निवासी अंकित गुप्ता ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह सोशल मीडिया पर ऑनलाइन टास्क के जरिए पैसा कमाने के लिए एक व्हाट्स एप ग्रुप से जुड़ा था। इसके बाद आरोपियों ने उससे टॉस्क के नाम पर रुपये डलवाने शुरू कर दिए।

साइबर ठगी का आरोपी गौतम सिंह।

उससे लगगभग 5.05 लाख रुपए अलग-अलग खातों में डलवा लिए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त 6 आरोपी कमल चौधरी, गोपाल जाट उर्फ कालू, सचिन चौधरी, रतनलाल, औमकार गिरी व गौरव खत्री को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में पुलिस ने एक और आरोपी राजस्थान के जिला बाड़मेर के इन्द्रानगर कालोनी निवासी गौतम सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया हैं।

साइबर ठगी के इस मामले में गौरव खत्री ने ओमकार गिरी से बैंक खाता लेकर आरोपी गौतम सिंह के माध्यम से कमिशन के आधार पर आगे साइबर ठगों को उपलब्ध कराया था। पुलिस ने आरोपी गौतम सिंह को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया। मामले के अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सांडों की तकरार, बाल-बाल बची स्कूटी सवार महिला

- सांडों ने लड़ते-लड़ते तोड़ी मकान की दीवार, शहर से खत्म नहीं हो रही गोवंश की समस्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

शहर की सड़कों पर घूमते गोवंश की समस्या बढ़ती जा रही है। शहर के सरकुलर रोड सहित बाजार, कॉलोनियों व सेक्टर में गोवंश का जमावड़ा लोगों के लिए आफत बना हुआ है। गायों के साथ शहर में सांडों की संख्या भी काफी बढ़ गई है। सड़कों पर आपस में लड़ते सांड लोगों की जान के लिए खतरा बन गए है।

शहर में दो सांडों के लड़ने का ताजा मामला सामने आया है। गढ़ी बोलनी रोड स्थित शक्ति नगर कॉलोनी की गली में दो सांडों ने लड़ते-लड़ते मकान की दीवार तक तोड़ दी तथा स्कूटी सवार एक महिला बाल-बाल बच गई। सांडों के लड़ने की घटना वार्ड-20 के नगर पार्षद के घर के सामने हुई।सांडों के लड़ने की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सांडों लड़ते-लड़ते गली के मकान की दीवार तोड़ी दी और एक सांड अंदर चला गया। लड़ाई इसके बाद भी नहीं थमी। लड़ते हुए सांडों के पास से एक बुजुर्ग तो स्कूटी से निकल गया, लेकिन अन्य गली में से अचानक स्कूटी पर आई महिला सांडों को लड़ता देखकर सहम गई और स्कूटी से उतर कर खुद को बचाने लगी। गनीमत ये रही की सांड लड़ते-लड़ते आगे निकल गए और महिला की जान बच गई।

दस दिन पहले सेक्टर-4 में एक गाय ने युवक को पैरों के नीचे रौंद कर घायल कर दिया था तथा इससे पहले कुतुबपुर में आक्रमक गाय ने पांच लोगों को घायल कर दिया था। नगर परिषद के अधिकारियों की ओर से शहर से गोवंश पकड़ने का दावा एक बार फिर फेल हो गया है। नप अधिकारी पिछले दिनों से 1300 गोवंश पकड़ने का दावा कर रहे है, जबकि शहर की सड़कों पर सैकड़ों गोवंश देखे जा सकते है। नगर परिषद के सीएसआई सुधीर कुमार ने बताया कि शहर से 1300 गोवंश को पकड़ा गया है, जिसमें से करीब 60 गोवंश के लिए पशुपालको से जुर्माना भी वसूला गया है। बाकी गोवंश गोशाला में छोडे गए है।

रेवाड़ी। शक्ति नगर में सड़क पर लड़ते सांड तथा सड़क पर लड़ते सांड व स्कूटी से उतर कर खड़ी महिला। *फोटो : हरिभूमि*

कंपनी से प्लास्टिक दाना चोरी करने के मामले में एक और आरोपी काबू

बावल। बावल थानापुलिस ने औद्योगिक एरिया की एक कंपनी से प्लास्टिक दाना चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला अलवर के गांव बासनी निवासी सतीश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। बावल की जेआरजी कंपनी के प्रतिनिधि संजीव ने अपनी शिकायत में बताया था कि गत 10 जून को उनकी कंपनी से करीब 60 बैग (प्लास्टिक दाना) एबीएस चोरी हो गए है। इस कार्य में राजस्थान के जिला अलवर के गांव अमोठ मोहित कुमार भी संलिप्त है। पुलिस ने मामले में संलिप्त चार आरोपी राजस्थान के जिला अलवर के गांव अमोठ निवासी मोहित कुमार, गांव भाडावास निवासी मुकेश, गांव प्राणपुरा निवासी रोहित व जैकी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने आरोपियों से उपरोक्त प्लास्टिक दाना बेच कर प्राप्त की राशि में से 19 हजार रुपये बरामद किए थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया था कि प्लास्टिक दाना, उन्होंने राजस्थान के जिला अलवर के गांव बासनी निवासी सतीश कुमार को 1.20 लाख रुपये में बेच दिया था। पुलिस ने रविवार को आरोपी सतीश कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी सतीश कुमार से प्लास्टिक दाना बेच कर प्राप्त की राशि में से 50 हजार रुपये बरामद किए है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी सतीश कुमार।

गोल्ड मेडल जीतने पर वंश सोनी को किया सम्मानित

रेवाड़ी। दिल्ली नेवी बेस में आयोजित स्विमिंग समर कैंप में स्वर्ण पदक विजेता वंश सोनी का मौहल्लावासियों ने फूलमालाओं से स्वागत व सम्मान किया। लोगों ने कहा कि वंश सोनी न केवल अपने परिजनों, बल्कि जिले व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर वंश के दादा अभय सिंह, दादी सरस्वती देवी, पिता कुलदीप सोनी और मां प्रियंका ने खुशी जाहिर की।

रेवाड़ी। विकास नगर में वंश सोनी का स्वागत करते हुए लोग।

युवा नशा नहीं, शिक्षा चुनें

एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए मिलकर कदम बढ़ाएं: नीरज

रेवाड़ी। अकेडमी में विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए एनसीबी टीम।

रेवाड़ी। हरियाणा स्टेट नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानि एचएसएनसीबी यूनिट की ओर से सोमवार को एक निजी एजुकेशन अकेडमी में नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य समाज में नशे के खिलाफ जन-जागरूकता फैलाना और युवाओं को इसके खतरों से सतर्क करना है। इस मौके पर एनसीबी जिला यूनिट इंचार्ज निरीक्षक नीरज कुमार ने कहा कि राज्य सरकार और नारकोटिक्स विभाग नशा मुक्त हरियाणा के संकल्प के साथ लगातार प्रयासरत हैं। एएसआई सुरेश कुमार एवं अकेडमी के डायरेक्टर जतिन बांगर ने छात्रों और स्टाफ को नशे से बबार्दी और इसके सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक प्रभावों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि नशे की लत व्यक्ति के भविष्य को अंधकारमय बना देती है। निरीक्षक नीरज कुमार ने कहा कि एचएसएनसीबी का लक्ष्य है कि हर व्यक्ति जागरूक बने और नशे के खिलाफ एक प्रहरी की भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के अंत में सभी से अपील की गई कि यदि किसी को कहीं भी नशे का अवैध व्यापार होता दिखाई दे, तो वे भारत सरकार के टोल-फ्री नंबर 1933, ऑनलाइन पोर्टल एनसीबीमानस.जीओवी.इन, या हरियाणा एनसीबी के हेल्पलाइन नंबर 90508-91508 या यूनिट इंचार्ज के मोबाइल नंबर 98131-36557 पर तुरंत सूचना दें।

- एनसीबी जिला यूनिट ने नशा विरोधी जागरूकता अभियान के तहत अकेडमी में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों से कराया अवगत

समस्या सरकुलर रोड पर अतिक्रमण व अवैध पार्किंग के कारण अक्सर लगता रहता जाम

सरकुलर रोड पर जाम में फंसी हार्ट पेशेंट को लेकर जा रही थी एंबुलेंस, परिजनों की अटकी सांसें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

सरकुलर रोड से हॉर्ट के मरीज को लेकर जा रही एंबुलेंस सरकुलर रोड पर ट्रामा सेंटर से जैन स्कूल के बीच लगे जाम में फंस गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने जाम खुलवा कर एंबुलेंस को आगे के लिए रवाना किया। इसी दौरान एक दूसरी एंबुलेंस भी जाम फंस गई, जिसमें भी एक मरीज था। सरकुलर रोड पर अतिक्रमण व अवैध पार्किंग के कारण जाम लगा आम बात हो गई है। प्रशासन की ओर से इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे है। सरकुलर रोड पर स्थित बैंक, अस्पतालों, स्कूल व निजी प्रतिष्ठानों के पास अपनी पार्किंग नहीं है, जिससे व्हीकल सड़क पर खड़े रहते है और जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। सोमवार को एक एंबुलेंस गांव कुंड के हार्ट पेशेंट को लेकर अस्पताल जा रही थी। जब दोपहर को एंबुलेंस झज्जर चौक से आगे ट्रामा सेंटर व जैन स्कूल के पास पहुंची तो जाम में फंस गई। मरीज को शहर के निजी अस्पताल से हालत बिगड़ने पर दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया जा रहा था।

एंबुलेंस जाम में फंसने के कारण मरीज के परिजनों की सांसें थम गई। एंबुलेंस ड्राइवर बार-बार हूटर बजाता रहा, लेकिन जाम में एंबुलेंस को निकलने की जगह नहीं मिली, जिसके बाद मौके पर पहुंची दो महिला पुलिसकर्मियों ने जाम को खुलवाया और एंबुलेंस को रवाना किया।

रेवाड़ी। सरकुलर रोड पर जाम में फंसी एंबुलेंस तथा सरकुलर रोड पर जाम खुलवाती महिला पुलिसकर्मी। *फोटो : हरिभूमि*

सरकुलर रोड पर रोजाना लग जाता जाम

शहर के सरकुलर रोड पर जाम लगना रोजाना का काम हो गया है। दोपहर के समय स्कूलों की छुट्टी के समय ज्यादा समस्या पैदा हो जाती है। झज्जर चौक से धारूहेड़ा चुंगी, अंबेडकर चौक से बावल चौक, रेलवे चौक से झज्जर चौक व कानोड गेट से नाईवाली चौक पर जाम की स्थिति ज्यादा देखी जा सकती है। शहर में एक एंबुलेंस के ड्राइवर ने कुछ दिन पहले ही सरकुलर रोड पर जाम में फंसने के बाद वीडियो बनाकर सार्वजनिक किया था, जिसके बावजूद अभी तक स्थिति नहीं सुधर पाई है।

स्टाप की कमी समस्या

सरकुलर रोड पर जाम की समस्या है। यातायात व्यवस्था के लिए 4 राइडर की तैनाती की गई हैं। प्रत्येक चौक पर भी ट्रैफिक व्यवस्था के लिए टीम तैनात है। वाहन चालकों की जल्दी निकलने के चक्कर में कई बार जाम लग जाता है। ट्रैफिक पुलिस के पास स्टाफ की कमी के कारण भी समस्या बन रही है।

-**अनूप कुमार,** ट्रैफिक एसएचओ।

हरिभूमि
सहेली

जीवन को दिशा देती है बुजुर्गों की सलाह

जीवन में जब भी आप उलझनों में फंस जाएं, समस्याओं से घिर जाएं और समझ में ना आए कि क्या करें, तो ऐसे समय में अपने बड़े-बुजुर्गों के पास जाएं, उन्हें अपनी समस्याएं बताएं, वे बहुत अपनेपन से आपकी बात सुनेंगे, समस्याओं से निकलने का रास्ता बताएंगे। उनके जीवन अनुभव आपके लिए बहुत अनमोल साबित होंगे।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

बड़ों का आशीर्वाद ही नहीं, उनकी सलाहें भी अनमोल होती हैं। छोटी हो या बड़ी, हर उलझन-समस्या में उनका मार्गदर्शन मददगार बनता है। सहज रूप से नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाता है। उनके अनुभव प्रैक्टिकली जिंदगी से मिलवाते हैं। आम-सी सलाह भी जीवन के लिए बहुत मूल्यवान होती है। बरसों जिंदगी से जूझकर जुटाए गए अनुभव और सुख-दुःख को जीते हुए सीखे अनगिनत सबक, नई जेनरेशन की जिंदगी को सही दिशा में आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

अनुभव से सबक

बुजुर्गों ने अपनी जिंदगी में हर तरह के हालात से जुड़े अनुभवों को जीया होता है। सरवाइवल के सूत्रों को खुद समझा होता है। सहज हो या चुनौतीपूर्ण, परिस्थितियां बहुत से सबक सिखाकर जाती हैं। ऐसे में संचित समझ और ज्ञान की पूंजी से भरी उनकी झोली नई पीढ़ी का मार्गदर्शन कर सकती है। जीवन के हर पहलू पर उनसे मिली सलाह सही दिशा दिखा सकती है। रिश्तों और करियर से लेकर व्यक्तित्व विकास, सही फैसले लेने और खुद को थामने के मोर्चे पर बड़ों का दृष्टिकोण अहम होता है। जो हर जटिल परिस्थिति में जादू-सा बन मन को दिशा दे जाता है। ऐसे अनमोल सबक किताबों में नहीं मिलते। ना ही हर ओर छाई रील्स और वीडियोज जिंदगी के संघर्षों को जीकर जुटाए गए इस तजुर्बे की बराबरी कर सकते हैं।

सहजता का भाव

'लेट गो, छोड़ो, जाने दो या भूल जाओ' यह सलाह बड़ों की बातों में अवश्य शामिल होती है। असल में जीवन भर की उलझनों में अपनी ऊर्जा और समय लगा चुके बुजुर्ग इस सच को समझ चुके होते हैं कि अपने आप के प्रति भी सहजता का भाव जरूरी है। मन दुखाने वाली बातों को पकड़कर बैठ जाना असल में खुद को ही दुख देता है। ऐसी चीजों को जाने देना ही सही है। इसीलिए बड़े हमेशा समझाते हैं कि तकलीफदेह बातों को मत पकड़ो। मन में पलता द्वेष या शिकायतें, आज ही नहीं आने वाले कल में भी खुद को ही चोट पहुंचाते हैं। समय और स्थिति बदल जाती है पर मन के कोने में दबा दुख, आक्रोश या दुर्भाव सदा के लिए ठिकाना बना लेता है। हमारे बड़े-बुजुर्ग उम्र के इस पड़ाव पर पहुंचने के बाद याद करते हुए कहते ही हैं कि 'मुझे यह नहीं करना था' या 'किसी अपने से दूर नहीं होना था' पीछे छोड़े जीवन में जो बातें, निर्णय या शब्द उनके लिए आज अपराधबोध का कारण बन रही हों, वे उनसे बचने की समझ का पाठ जरूर पढ़ाते हैं। इसी के चलते हर हाल में सहज रहने की सलाह देना वे कभी नहीं भूलते।

खुलकर जीने की सलाह

जिंदगी की आपा-धापी में जीना ही भूल जाने की गलती करने वाले युवाओं को बुजुर्ग खुलकर जीने की सलाह भी देते हैं। अच्छा-बुरा वक्त जीवन भर दस्तक देता रहता है। लोग मिलते-बिछुड़ते हैं। जिम्मेदारियां भी निभानी ही होती हैं। ऐसे में सारा वक्त फिक्र करने में नहीं लगाया जा सकता है। डरकर जिंदगी को नहीं जिया जा सकता। हमारे बड़ों ने बहुत से हालातों से गुजरने के बाद यही समझा होता है कि बात-बात में भयभीत होने का कोई अर्थ नहीं। जीवन की अपनी गति है। उसके साथ सहजता से चलते रहना ही सही तरीका है। यही कारण है कि हमारे बुजुर्ग सामाजिक-पारिवारिक माहौल से जुड़ने की सलाह भी देते हैं। भारतीय समाज में तो घर बसाने के मामले में बुजुर्गों की सलाह आज भी सबसे अहम मानी जाती है। बड़े भी अपने अनुभवों से सावधानी के साथ अपना जीवन साथी चुनने की ना केवल सलाह देते हैं बल्कि चुनाव में मदद भी करते हैं। जिसके साथ जीवन बिताना हो, उसके बारे में व्यावहारिक धरातल पर सब कुछ जानने-समझने की समझाइश देते हैं। सोशल-फैमिली फ्रंट पर आज के बदलते दौर में बड़ों की एडवाइस बहुत कारगर साबित होती है।

स्वास्थ्य सहेजने का सुझाव

अपने शरीर की देखभाल करने का सुझाव बड़े-बुजुर्ग बहुत गंभीरता से देते हैं। सेहत सहेजने के लिए समय रहते सजग होने का पाठ पढ़ाते हैं। अपने स्वास्थ्य की संभाल को लेकर की गई अनदेखी या किसी गलती का उदाहरण भी देते रहते हैं। वे नहीं चाहते कि नई पीढ़ी बीमारी के बारे में देर से जानने या सही समय पर अवेयर न होने की गलती करे। इसीलिए एक्टिव रहने, बुरी आदतों से बचने और नियमित जांच करवाने की सलाह बड़े-बुजुर्ग देते हैं। छोटी सी गलती का खामियाजा कितना बड़ा हो सकता है, वे देख चुके होते हैं। इसीलिए नई पीढ़ी को अपने स्वास्थ्य से जुड़ी परंपरागत चीजों की जानकारी भी देते रहते हैं। हम यह बात जोर देकर कहेंगे कि समय निकालकर अपने बुजुर्गों के पास बैठें। उनकी बातें सुनना जीवन के एक भरे-पूरे खजाने को खंगालने जैसा है। इसी खजाने से आपको जीवन जीने का सलीका सिखाने वाली सलाहों के अनमोल मोती मिलेंगे।

हर इंसान अपने करियर में कामयाब होना चाहता है। वह इसके लिए प्रयास भी करता है, लेकिन बाधाएं भी आती हैं। इन बाधाओं से कभी हताश-निराश ना हों। हम आपको बता रहे हैं, बाधा को दूर करने के लिए आप कौन से कारगर उपाय अपनाएं।

ऐसे दूर करें बाधाएं सफलताएं चूमेंगी कदम

सक्सेस फंडा
शिखर चंद जैन

कई बार आप जब कुछ करने वाली होती हैं तो आपका मन विचलित हो जाता है, काम से ध्यान हट जाता है, काम आगे नहीं बढ़ पाता। आपकी मानसिक स्थिति आपको आगे नहीं बढ़ने देती। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है तो ध्यान दीजिए और कुछ सामान्य उपाय अपनाइए ताकि बाधाएं दूर हों। आपका काम सुचारु रूप से आगे बढ़े। आप सफलता अर्जित करें।

जब काम में ना लगे मन: कई बार जब हम कोई काम शुरू करते हैं तो हमारा मन नहीं लगता, ऊब-सी होती है या मन इधर-उधर भटकता है। ऐसी स्थिति में आप सबसे पहले वह काम शुरू करें, जिसमें आपकी रुचि ज्यादा हो। इस काम को पूरा होने का दृढ़ संकल्प लें। इससे आपके मन में एक नई ऊर्जा जागृत होगी।

आत्मानुशासन है जरूरी: जीवन में बाधाएं आपको पग-पग पर मिलेंगी। आप उन पर नियंत्रण नहीं कर सकतीं, लेकिन अपनी प्रतिक्रिया और अपने मन पर अवश्य नियंत्रण रख सकती हैं। लाइफ में सेल्फ डिसीप्लीन भी जरूरी है। आपकी इच्छा शक्ति इतनी प्रबल होनी चाहिए कि अगर कुछ करने की योजना बना ली है तो उसे किसी भी कीमत पर टालना नहीं है।

योजना और लक्ष्य के साथ बढ़ें: बिना योजना बनाए और बिना किसी लक्ष्य के आगे बढ़ना ऐसा ही है, जैसे ट्रेन में बैठ गए लेकिन पता नहीं है कि पहुंचना कहां है? जाहिर है, आपको अपने टारगेट का पता नहीं होगा तो आपका ध्यान इधर-उधर भटकेगा ही। वहीं जब आप योजना और लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेंगी तो आपको अपने एक-एक कदम की जानकारी रहेगी कि आप क्या कर रही हैं और आगे क्या करना है? ऐसे में आपका ध्यान पूरी तरह अपने काम पर केंद्रित रहेगा। अगर बाधाएं आती भी हैं तो आप उन्हें पार करती चली जाएंगी।

लोगों से लें सलाह: समस्याएं और बाधाओं के आने पर कभी घबराएं नहीं, संयत रहें। अपने आस-पास मौजूद अनुभवी लोगों, इष्ट मित्रों या परिजनों की सलाह और मदद लें। उन्हें अपनी स्थिति और समस्याओं के बारे में बताएं और उन्हें सुलझाने का उपाय पूछें। कई बार जब आप विभिन्न लोगों से राय लेती हैं तो उनकी राय भले पसंद ना आए, लेकिन उनके आधार पर आपके दिमाग में कोई नया आइडिया आ सकता है।

नए तरीके आजमाएं: कई बार जब हम लगातार अड़चनों से घिरने लगते हैं, अपने काम से संतुष्ट नहीं होते तो एंजायटी और सेल्फ डाउट हम पर हावी हो जाता है। ऐसी स्थिति में हम अंतर्मुखी होने लगते हैं। छोटी-छोटी बाधाएं भी हमें बड़ी लगने लगती हैं। नतीजतन हम चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से डरने लगते हैं। ऐसे में हमें जीने और काम करने के नए तरीके आजमाने चाहिए।

व्यवधान वाले लोगों से दूरी: हम सबके जीवन में कुछ लोग ऐसे आ जाते हैं, जो व्यवधान, कलह और अशांति पैदा करते हैं। ऐसे लोगों को शीघ्र पहचान लें। अनसपोर्टिव और हमेशा डिस्टर्ब करने वाली रिलेशनशिप से जल्द से जल्द दूरी बना लें। यदि ऐसे लोग काफी नजदीकी रिश्तेदार हैं तो उनके साथ बहुत औपचारिक संबंध रखें।

विश्वास रखें: हम लक्ष्य तय करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो कई प्रकार के व्यवधान आते ही हैं। किसी कारणवश ठिठकना या रुकना पड़ जाए तो घबराना नहीं चाहिए। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई कहते हैं, 'बाधाएं लक्ष्य प्राप्ति की प्रक्रिया का नैसर्गिक हिस्सा हैं। कई बार हमें अपने कामों के लिए दूसरों पर भी निर्भर होना पड़ता है। ऐसे में आपको उन पर भरोसा रखना होता है। साथ ही खुद पर भी भरोसा रखें।' अपनी बेहतरीन कोशिश करते समय याद रखें कि दुनिया आपके प्रदर्शन, कार्य-कौशल और जुनून को देख रही है। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, आपकी कामयाबी की राहें खुलती जाएंगी।

पहले बच्चे के बाद दूसरे बच्चे के जन्म होने पर दोनों नन्हे बच्चों का लालन-पालन मां के लिए आसान नहीं होता है। पहला बच्चा दूसरे के जन्म के बाद अपने आपको इग्नोर ना समझे, दोनों की परवरिश सही ढंग से हो, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

सेकेंड बेबी के आने पर बड़े को ना करें इग्नोर

परवरिश
दीपिका शर्मा

अक्सर यह देखा जाता है, सेकेंड बेबी के आने पर पैरेंट्स अपने बड़े बच्चे की परवरिश में लापरवाही बरतने लगते हैं, वे पूरा ध्यान सेकेंड बेबी पर लगा लेते हैं। समय से पहले ही बड़े बच्चे को बड़ा होने का एहसास दिलाने लगते है, इस कारण बच्चे के कोमल मन-मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है, इसलिए जरूरी है कि बच्चे की सही परवरिश पर ध्यान दें। अगर आप दूसरे बच्चे की प्लानिंग कर रहे हैं तो भी या आप दो बच्चों के पैरेंट्स हैं तो भी ऐसी गलतियां करने से बचें ताकि पहले बच्चे के मन में अपने सिबलिंग के लिए ईर्ष्या की भावना ना पैदा हो, अपने माता-पिता के प्रति उसके मन में नकारात्मक भाव जन्म ना लें।

बड़ा होने का ना दें दबाव: अधिकतर पैरेंट्स में मां ही बच्चों के साथ अधिक समय बिताती है। ऐसे में पहले बच्चे को बात-बात पर यह दबाव ना डालें कि वह छोटे बेबी के आने से बड़ा हो गया है, क्योंकि इससे बच्चे अपने आने वाले छोटे भाई-बहन के सामने खुद को इग्नोर-इंसिक्योर समझने लगते हैं।

डालें शेयरिंग-केयरिंग की आदत: सेकेंड प्रेग्नेंसी की शुरुआत से ही बड़े बच्चे में धीरे-धीरे शेयरिंग और केयरिंग की आदत डेवलप करना शुरू कर दें, क्योंकि अगर दूसरे बच्चे के आने के बाद पहले बच्चे की चीजें आप साझा करेंगी तो बच्चे के मन में यह बात आएगी कि वह अपने मम्मी-पापा के लिए इंपॉर्टेंस नहीं रखता, नया बेबी अब ज्यादा प्यारा है, ज्यादा इंपॉर्टेंस रखता है। इससे बच्चे में हीन भावना उत्पन्न होने लगेगी।

बड़े बच्चे के साथ थोड़ा वक्त जरूर बिताएं: माना कि घर में छोटा बच्चा है तो मां को बहुत से काम होते हैं, इस कारण वह बड़े बच्चे पर पूरा ध्यान नहीं दे पाती, लेकिन आपकी यह गलती बच्चे के मन में घर कर सकती है। उसके मन में हमेशा यही भाव रहता है कि मुझे कोई प्यार नहीं करता। वह घरवालों से कटने लगता है। उसे मूड स्विंग की भी परेशानी होने लगती है, इसलिए जरूरी है कि बड़े बच्चे के साथ थोड़ा वक्त जरूर बिताएं, उसके साथ हंसी-मजाक करें, उसके साथ थोड़ा खेलें, उसे सोने के समय कोई छोटी-सी कहानी सुनाएं और जागते समय दुलार करें। उसे एहसास दिलाएं कि आप उसको भी बहुत प्यार करती हैं।

छोटे की गलती पर बड़े को ना डांटें: कई बार मांएं, छोटे बच्चे के साथ खेलने या उसका ध्यान रखने की जिम्मेदारी बड़े को दे देती हैं और अगर उससे कोई भूल हो जाती है तो उसे डांटने लगती हैं। ऐसा करने से बड़ा बच्चा भावनात्मक रूप से बिल्कुल अकेला महसूस करता है। इसलिए कोई गलती करने पर भी बड़े बच्चे को डांटने या झिड़कने के बजाय जहां तक हो सके उसे प्यार से ही समझाएं।

बड़े बच्चे के जन्म के समय की यादें बताएं: जिस तरह आप अपने छोटे बेबी की केयर से जुड़े ढेरों काम करती हैं, इसी तरह आप बड़े बच्चे के भी काम उसके जन्म के समय करती थीं, इन बातों को उसे बताएं। उसकी शैतानियां या कैसे वो खाता था, इस तरह की छोटी-छोटी बातें उसके साथ साझा करें। इससे वो समझ पाएगा कि उसके छोटे भाई या बहन के लिए भी मां की केयर बहुत जरूरी है।

बड़े बच्चे को प्रोत्साहित करें: बच्चा अगर आपसे अपनी कोई बात कहना चाहता है तो उसकी सुनें या उसने कोई अच्छा काम किया है तो तारीफ कर प्रोत्साहित करें।

बारिश के दिनों में ऐसा हो मेकअप

मेकअप
सरिता गुप्ता

बारिश के दिनों में उमस और चिपचिपाहट के कारण मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखना बहुत मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आप इन दिनों वाटरप्रूफ मेकअप प्रोडक्ट्स का ही यूज करें। ये मेकअप प्रोडक्ट्स आपके मेकअप को लॉन्ग लास्टिंग रखते हैं। इसके साथ ही हम आपको यहां कुछ ऐसे मेकअप टिप्स बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बारिश के मौसम में भी खूबसूरत और फ्रेश नजर आएंगी।

प्राइमर-फाउंडेशन: इस मौसम में एक स्मूद मेकअप बेस बनाने और एक्सेस ऑयल को मैनेज करने में मदद करने के लिए मेकअप से पहले मैटिफाइंग प्राइमर लगाएं। यह मेकअप को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करता है। इसके साथ ही वाटरप्रूफ फाउंडेशन का यूज करें, जो आपकी स्किन पर पसीना नहीं आने देगा। ऐसा करने से आपकी स्किन ग्लो करेगी और आपको फ्रेश लुक मिलेगा।

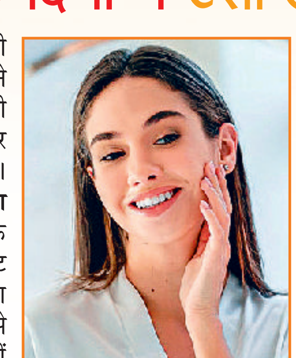

सेमी-मैट फिनिश लिपस्टिक: बरसात के मौसम में आप सेमी-मैट फिनिश लिपस्टिक का चुनाव कर सकती हैं। इससे आपके होंठ रूखे नहीं लगेंगे। इसके अलावा आप अपनी पसंद के शेड में स्मज-प्रूफ और लंबे समय तक टिकने वाला लिप लाइनर चुनें। फिर होंठों पर टिंट या टिंटेड लिप बाम लगाएं ताकि होंठ मॉश्यचराइज रहे और लिप मेकअप पानी में बहे नहीं।

आई मेकअप प्रोडक्ट्स: इस मौसम में हमेशा आई मेकअप के लिए वाटरप्रूफ प्रोडक्ट्स का ही यूज करें। सबसे पहले इसकी शुरुआत वाटरप्रूफ मस्कारा से करें, जिसे लगाने के बाद बारिश में भीगने पर भी आपकी आंखों की खूबसूरती बिल्कुल कम नहीं होगी। साथ ही आप काजल या आई लाइनर भी वाटरप्रूफ ही लगाएं।

सेटिंग पावडर: बारिश के मौसम में, मेकअप से पहले और बाद में चेहरा ऑयली नजर आने लगता है। लेकिन जब आप सेटिंग पावडर से उसे सेट कर देती हैं तो मेकअप एकदम मैट लुक देता है और फ्लॉलेस नजर आता है। यह मेकअप को इस मौसम में मेल्ट होने से बचाता है, इसलिए सेटिंग पावडर को अपनी मेकअप किट में जरूर शामिल करें।

सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल: मेकअप करने के सबसे बाद में मेकअप को लॉक करने के लिए सेटिंग स्प्रे अप्लाई करें। ये प्रोडक्ट ऐसा होना चाहिए, जो मैट-फिनिश लुक प्रदान करता हो और लंबे समय तक चलने वाला फार्मूला डिजाइन किया गया हो। इससे आपके मेकअप को नमी झेलने में मदद मिलेगी और आप लंबे समय तक फ्रेश नजर आएंगी।

(मेकअप एक्सपर्ट रक्षा गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

बारिश के मौसम में अनेक संक्रामक बीमारियों से बचने के लिए अपनी डाइट को लेकर एलर्ट रहना चाहिए। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे फल, सब्जियों के बारे में, जिन्हें इस दौरान खाने से बचना चाहिए।

रेनी सीजन में इन्हें ना करें अपनी डाइट में शामिल

डाइट
राजकुमार 'दिनकर'

बारिश के दिनों में ज्यादातर लोग खान-पान में लापरवाही बरतने के कारण ही बीमार पड़ते हैं। यही वजह है कि इन दिनों डॉक्टर भी खाने-पीने में परहेज बरतने की सलाह देते हैं। इन दिनों विटामिन और मिनरल से भरपूर सब्जियां भी खराब मौसम के कारण हमारे लिए नुकसानदेह साबित होने लगती हैं, क्योंकि कई ऐसी सब्जियां होती हैं, जिनमें बैक्टीरिया बहुत तेज गति से बढ़ने लगते हैं और अगर हम उनका सेवन कर लेते हैं, तो वे हमारे लिए पाचन और पेट संबंधी समस्याओं का कारण बन जाती हैं। विभिन्न हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार हम आपको बता रहे हैं कि इस मौसम में कौन से ऐसे फल और सब्जियां हैं, जो जल्दी खराब होती हैं इसलिए इन्हें खाने से परहेज करना चाहिए।

हरी सब्जियां: बारिश के दिनों में पालक, मेथी, विभिन्न तरह के साग, धनिया, पुदीना, सलाद पत्ता जैसी हरी सब्जियों में ज्यादा नमी होने से बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं और पाचन संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इनमें से कई सब्जियों में तो बारिश के दिनों में कीड़े भी पैदा हो जाते हैं। खेतों में पानी भरने के कारण इनमें गंदगी लग जाती है और इन्हें हम कितना भी साफ कर लें, इनमें बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं। इसलिए बारिश के दिनों में हरी सब्जियां खाने से खास परहेज बरतना चाहिए।

अंकुरित अनाज: जैसा हम जानते हैं, किसी भी तरह के अनाज को अंकुरित करने के लिए पहले उसे 8-10 घंटे भिगोया जाता है और फिर उसके बाद उसे अंकुरित करने के लिए रखा जाता है। इस सारी प्रक्रिया में लंबे समय तक पानी या नमी के संपर्क में रहने के कारण और वातावरण में नमी होने के कारण अंकुरित अनाज जल्दी सड़ने लगते हैं। इनमें फंगस लगने का खतरा बढ़ जाता है। इनको अगर कच्चा खाया जाता है तो इनसे इंफेक्शन होने का खतरा रहता है। इसलिए इस मौसम में अंकुरित अनाज थोड़ा पकाकर खाएं।

मशरूम: बारिश के मौसम में मशरूम खाने से परहेज करना चाहिए। मशरूम को नमी वाले वातावरण में उगाया जाता है। इसमें पहले ही बैक्टीरिया होते हैं। नमी के कारण यह जल्दी खराब होने लगते हैं। इन्हें खाने पर डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

दही-छाछ: बरसात के मौसम में लगातार दही और छाछ का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि इनमें बैक्टीरिया जल्दी पनपते हैं। आयुर्वेद में तो दही को बरसात के मौसम में खाने की मनाही होती है। क्योंकि यह पाचन संबंधी समस्या पैदा कर सकते हैं।

सलाद: सलाद में इस्तेमाल होने वाले खीरे, गाजर, मूली, चुकंदर जैसी कच्ची चीजों में कीड़े होने की आशंका रहती है। भले ही यह दिखने में खराब न लगें, लेकिन अंदर से खराब होने के कारण इन्हें खाने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।

सीफूड-मछली: मानसून के दौरान मछली या प्रॉन खाने से बचना चाहिए, क्योंकि यह समय उनके प्रजनन का होता है और इससे फूड पॉइजनिंग होने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में नदियों और झीलों में पानी प्रदूषित होने से मछलियों के शरीर के ऊपर गंदगी जमा हो जाती है। ऐसे में इन मछलियों का सेवन करने से सेहत को भी नुकसान हो सकता है।

खबर संक्षेप

अलावपुर की वर्षा ने सीए परीक्षा में पाई सफलता

रेवाड़ी। वर्षा लोर।

रेवाड़ी। गांव अलावलपुर की होनहार बेटी वर्षा लोर ने सीए फाउंडेशन की परीक्षा में सफलता हासिल की है। इस खुशी के अवसर पर गांव के गणमान्य लोगों ने वर्षा के उज्जवल भविष्य की कामना की। वर्षा ने कहा कि सच्ची लगन व मेहनत से हर मुकाम को हासिल किया जा सकता है। वर्षा ने कहा कि अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए विद्यार्थियों को कभी भी मेहनत से पीछे नहीं हटना चाहिए। शिक्षा एक ऐसा हथियार है, जो संपूर्ण जीवन व्यक्तित्व के चरित्र को निखारता व भविष्य को उज्जवल बनाता है। वर्षा ने अपनी सफलता को श्रेय दादा चौ. जिले सिंह, पिता पूर्व चेयरमैन कमल सिंह, माता और गुरुजनों को दिया है।

मालगाड़ी की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

मंडी अटेली। अटेली गांव के पास फ्रंट कॉरिडोर लाइन पर मालगाड़ी की चपेट में आने से 45 वर्षीय अश्वनी कुमार की मौत हो गई। वह अटेली गांव का रहने वाला था। यह घटना अटेली से न्यू डाबला की ओर जा रही मालगाड़ी के दौरान हुई। जीआरपी चौकी प्रभारी नारनौल कैलाश शर्मा ने बताया कि हादसे में अश्वनी कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया।

यात्रियों की सुविधा हेतु डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी

नारनौल। रेलवे की ओर से यात्रियों की सुविधा हेतु जयपुर-भिवानी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा में चार द्वितीय शयनयान (अनारक्षित) श्रेणी डिब्बे की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 09733/09734 जयपुर-भिवानी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा में जयपुर से आठ जुलाई से 31 जुलाई तक व भिवानी से आठ जुलाई से 31 जुलाई तक चार द्वितीय शयनयान (अनारक्षित) श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढ़ोतरी की जाएगी। अनारक्षित टिकिट वाले यात्री भी इन कोचों में यात्रा कर सकेंगे।

अटेली रेलवे स्टेशन का प्लेटफार्म अस्थाई बंद

मंडी अटेली। रेवाड़ी-रिंगस रेल लाइन के दोहरीकरण के चलते अटेली रेलवे स्टेशन का प्लेटफार्म नंबर एक बंद कर दिया गया है। अब यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर दो से ट्रेन पकड़नी होगी। यह बदलाव अगले 25 दिनों तक रहेगा। स्टेशन अधीक्षक सुरेश जांगिड़ ने बताया कि पिछले एक साल से रेल दोहरीकरण का काम चल रहा है। इसी कारण प्लेटफार्म नंबर एक को अस्थायी रूप से बंद किया गया है। यात्रियों को अब प्लेटफार्म नंबर दो तक पहुंचने में ज्यादा समय और परिश्रम करना पड़ेगा। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे समय से पहले घर से निकलें।रेवाड़ी-रिंगस रेल लाइन के दोहरीकरण के चलते अटेली रेलवे स्टेशन का प्लेटफार्म नंबर एक बंद कर दिया गया है। अब यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर दो से ट्रेन पकड़नी होगी।

एससीईआरटी गुरुग्राम और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान कर रहा संयुक्त मेजबानी

डाइट हुसैनपुर में नव पदोन्नत प्राचार्यों का 12 दिवसीय विद्यालय नेतृत्व प्रशिक्षण हुआ शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एससीईआरटी हरियाणा गुरुग्राम और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान हुसैनपुर रेवाड़ी के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को जिले के नव पदोन्नत प्राचार्यों के 12 दिवसीय विद्यालय नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डाइट प्राचार्य सुभाष चंद्र के नेतृत्व और प्रशिक्षण इकाई के संयोजक डा. बीर सिंह के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण कैंप में जिले के 30 नव पदोन्नत प्राचार्य भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक डा. बीर सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य मुख्य क्षेत्रों में विद्यालय नेतृत्व की समझ, स्वयं का विकास, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का रूपांतरण, दल बनाना व दल का नेतृत्व, नवाचारों का नेतृत्व एवं प्रशासनिक नेतृत्व में विद्यालय मुखियाओं को पारंगत बनाना है ताकि वर्तमान परिवेश में विद्यालय मुखिया अपने-अपने विद्यालय की दशा को एक वांछित स्वरूप प्रदान कर सकें।विभाग के प्रशिक्षक पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य संस्थान की प्रशिक्षण इकाई के सदस्य अंग्रेजी प्राध्यापक सत्यपाल यादव ने बताया कि विद्यालय नेतृत्व के मुख्य क्षेत्रों को मूर्त रूप प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण के मुख्य विषयों में महत्वपूर्ण प्रशासनिक नियमावली जैसे कि अवकाश संबंधी नियम, कंडक्ट नियम, दंड नियम, एचआरएमएस, एमआईएस, ई-सैलेरी, जीपीएफ, एनपीएस नियम व डीडीओ के महत्वपूर्ण कार्य एवं भूमिका शामिल किए गए हैं। प्रशासनिक नियमावली के अतिरिक्त अन्य विषयों नई शिक्षा नीति, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, समय प्रबंधन, टीम बनाना, प्रभाव व आशंकाओं का दायरा, तनाव प्रबंधन, साइबर सुरक्षा, 21वीं सदी के कौशल, नम्र कौशल, संवेगात्मक एवं सामाजिक बुद्धिमत्ता, नशे के दुष्प्रभाव, योग का महत्व एवं अभ्यास, विद्यालय विकास योजना, हॉलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड के माध्यम से आंकलन व समावेशी शिक्षा पर संस्थान के विषय विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षित एवं अनुभवी कुंजी संसाधन व्यक्तियों की ओर से गतिविधि आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

रेवाड़ी। नव पदोन्नत प्राचार्यो को जानकारी देते डा. बीर सिंह। फोटो: हरिभूमि

यह रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद

इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक डा. विजय सिंह, डा. मंजू बाला, डा. सरोज यादव, प्राध्यापक हरिश्चंद, दीपक कुमार, डा. नीरेंन पाल सिंह, जितेंद्र सिंह, धर्मेंद्र यादव, रितु, डा. जगदीश प्रसाद, डा. सुरेंद्र कुमार, हवा सिंह, रमेश कुमार, रविंद्र प्रकाश, सुदेश शर्मा, सुदेश कुमारी, सुपरिटेंडेंट देवेंद्र, कुमार, सहायक यशपाल, आंकड़ा सहायक संजीव कुमार, लिपिक निशा देवी, राज सिंह, दीपेंद्र व योगेश सहित इंद्र कुमार, मयंक, विवेक और परवीन ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की जिम्मेदारियों का कुशल निर्वहन किया।

सभी प्रशिक्षणों के मानक तय किए

संस्थान की प्रशिक्षण इकाई के सदस्य गणित प्राध्यापक अशोक कुमार ने बताया कि विभाग की ओर से सभी प्रशिक्षणों के मानक तय किए गए हैं, जिसके तहत सभी प्रतिभागियों को विभाग के प्रशिक्षक पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य है। पोर्टल के माध्यम से ही प्रशिक्षण से पूर्व परीक्षण व प्रशिक्षण के उपरांत पश्च परीक्षण और प्रतिभागियों की प्रतिपुष्टि दर्ज होगी। संस्थान की शैक्षिक तकनीकी इकाई के सदस्य मनोविज्ञान प्राध्यापक दीपक कुमार ने बताया कि प्रतिभागियों को निर्धारित समय अनुसार अपनी दैनिक उपस्थिति दर्ज करते हुए सभी कालांशों संबंधी गतिविधियां प्रशिक्षक पोर्टल पर ही पूर्ण करनी होगी। जो भी प्रतिभागी यह सारे कार्य पूर्ण कर लेगा, केवल उसे ही पोर्टल से प्रशिक्षण पूर्ण करने का प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।

रेवाड़ी। योग पुस्तक का विमोचन करते वीपी यादव व अन्य। फोटो: हरिभूमि

डा. धर्मवीर की 'योग-ए वे ऑफ लाइफ' पुस्तक के अंग्रेजी संस्करण का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

योगाचार्य डा. धर्मवीर यादव की ओर से अंग्रेजी मीडियम में लिखित पुस्तक 'योग-ए वे ऑफ लाइफ' का विमोचन हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के पूर्व चेयरमैन डा. वीपी यादव, मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री, प्रोफेसर रमेश, योगाचार्य योगेंद्र ब्रह्मचारी, राष्ट्रीय कवि संगम के जिला अध्यक्ष मुकुट अग्रवाल, साहित्यकार तेजभान कुकरेजा और सरपंच नीरू यादव ने किया। डा. धर्मवीर ने बताया कि इससे पहले 'योग-ए वे ऑफ लाइफ' पुस्तक हिंदी माध्यम में लिखी गई थी। जो भारत में सेंट्रल स्कूल, नवोदय विद्यालय, निजी, सरकारी व एडेड स्कूलों में पढ़ाई जाती है। सीबीएसई बोर्ड, भारतीय बोर्ड, हरियाणा बोर्ड एवं अन्य राज्यों के बोर्ड में इस पुस्तक को विद्यालयों में हिंदी माध्यम में पढ़ाया जाता है। पुस्तक को कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में सैद्धांतिक और प्रेक्टिकल के तौर पर पढ़ाया जाता है। वर्तमान में पुस्तक मांग इंग्लिश मीडियम के साथ-साथ अन्य भाषाओं में भी होने लगी, जिसके बाद डा. धर्मवीर ने योग शिक्षिका सायोनारा, योग विशेषज्ञ डा. सुधा और महिपाल रौनक पब्लिकेशन दिल्ली के सहयोग से पुस्तक को अंग्रेजी में प्रकाशित किया। अन्य भाषाओं में भी इस पुस्तक पर कार्य चल रहा है। इस मौके पर डा. वीपी यादव ने कहा कि यह पुस्तक योग साधकों के साथ-साथ विद्यार्थी तथा आमजन के लिए भी उपयोगी है। योगेन्द्र ब्रह्मचारी ने कहा कि यह पुस्तक योग के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। योगाचार्य डा. धर्मवीर ने डा. सोमवीर आर्य के मार्गदर्शन और सहयोग से सात पुस्तकों का लेखन किया है, जिसमें योगियों का जीवन परिचय, योगसार, योगवशिष्ठ सार, नैचुरोपैथी, गीता योगामृत, शंख प्रक्षालन और योग-ए वे ऑफ लाइफ शामिल है। इस अवसर पर प्रसिद्ध प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डा. भंवर सिंह, आचार्य जयप्रकाशानंद, कला शिक्षक संदीप बसई रहे।

धान फसल अवशेष प्रबंधन सप्लाई श्रृंखला स्थापित करने के लिए पोर्टल पर 15 तक करें आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। इंजी. दिनेश शर्मा। फोटो: हरिभूमि

- किसान योजना का लाभ उठाने के लिए करें आवेदन

कृषि विभाग की ओर से आरकेवीवाई स्कीम के स्माम घटक के अंतर्गत धान फसल अवशेष प्रबंधन सप्लाई श्रृंखला स्थापित करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है। फसल अवशेष प्रबंधन सप्लाई श्रृंखला स्थापित करने के लिए इच्छुक बायोमास इंडस्ट्रीज, एफपीओ, पंचायत, किसान समूह व व्यक्तिगत किसान 15 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि योजना के तहत कोई भी बायोमास इंडस्ट्रीज किसी भी एग्रीगेटर के साथ द्विपक्षीय समझौता सहित आवेदन कर सकता है। इसके लिए प्रोजेक्ट लागत का 65 प्रतिशत भाग विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। इसके अलावा 10 प्रतिशत एग्रीगेटर द्वारा तथा बाकी हिस्सा इंडस्ट्रीज द्वारा वहन किया जाएगा। अगर कोई एफपीओ, पंचायत, किसान समूह व व्यक्तिगत किसान यदि द्विपक्षीय समझौते के बिना आवेदन करता है तो प्रोजेक्ट लागत का 35 प्रतिशत हिस्सा स्वयं वहन करना होगा व 65 प्रतिशत भाग विभाग वहन करेगा। सहायक कृषि अभियता इंजी. दिनेश शर्मा ने बताया कि स्कीम में 3500 एमटी पैडी स्ट्रा प्रति सीजन के लिए एक करोड़ रुपये प्रोजेक्ट लागत तथा 4500 एमटी पैडी स्ट्रा प्रति सीजन के लिए 1.5 करोड़ प्रोजेक्ट लागत तय की गई है। इस योजना में पैडी सप्लाई चेन के लिए 12 मशीन शामिल की गई हैं, जिसमें कटर-रोटरी स्लेशर, टेडर मशीन, रेक, ट्रैक्टर 75-110 एचपी, स्ट्रा बेलर (रेक्टअंगुलर और राउंड बेलर), ट्रैक्टर 50 एचपी (टेडर मशीन व रेक के लिए), ट्रॉली (फ्लेट सिंगल, एक्सल, स्थानीय निमार्ता, स्वचालित बेल लोडिंग ट्रॉली), टेली हैंडलर, नमी मीटर, वाटर टैंक (5000 लीटर), आग बुझाने का यंत्र, लाईटनिंग अरेस्टर मशीन शामिल की गई है। उन्होंने बताया कि जो आवेदन स्कीम की गाइड लाइन अनुसार पूर्ण पाए जाएंगे।

मनमोहक भजनों पर झूमे भक्त

देवशयनी एकादशी पर लक्ष्मी नारायण मंदिर में भजन-कीर्तन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

देवशयनी एकादशी के अवसर पर गढ़ी बोलनी रोड स्थित एलिगेंट सिटी के लक्ष्मी नारायण मंदिर में श्याम बाबा के भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। भजन गायकों ने बाबा श्याम के भक्ति मय संगीत की प्रस्तुति दी। श्रद्धालुओं ने भजनों पर नृत्य कर दरबार में हाजिरी लगाई। लक्ष्मी नारायण मंदिर के पुजारी प्रकाश मिश्रा ने बताया कि प्रत्येक एकादशी के अवसर पर भजन कीर्तन संध्या का आयोजन किया जाता है। बीएमजी ग्रुप के निदेशक राधेश्याम गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर कीर्तन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राधेश्याम गुप्ता ने शिव मंदिर की नियमित साफ-सफाई एवं पूजा करने के लिए प्रभा तिवारी को सम्मानित किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

रेवाड़ी। कीर्तन में भजनों पर नांचती महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

दृष्टि अभियान के तहत नेत्र जांच शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली के नागरिक अस्पताल में सोमवार को उज्वल दृष्टि अभियान के तहत आंखों की जांच के लिए शिविर का आयोजन किया गया। एसएमओ डा. विक्रम ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव 11 जुलाई को हिसार जीजेयू में उज्वल दृष्टि अभियान की विधिवत रूप से शुरूआत करेंगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत चलाए जाने वाले अभियान में विद्यार्थियों और बुजुर्गो को निःशुल्क चश्मे दिए जाएंगे। अस्पताल में 51 महिलाओं व पुरुषों की आंखों की जांच की गई। जरूरतमंद लोगों को 11 जुलाई को अभियान के तहत मुफ्त चश्मे दिए जाएंगे। डा. विक्रम ने बताया कि आम जनता की सेहत की रक्षा के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से गर्भ में पल रहे शिशु से लेकर बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। शिविर में डा. जयपाल व नेत्र सहायक काजल सहित अनेक स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

रेवाड़ी। अस्पताल में महिला की आंखों की जांच करती हुई नेत्र सहायक।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, व्यक्ति की मौत

कनीना। कनीना कोसली सड़क मार्ग पर सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। जिसकी पहचान 52 वर्षीय इंद्रसिंह वासी नाहड़, जिला रेवाड़ी के रूप में हुई है। मृतक के भाई करण सिंह ने बताया कि इंद्रसिंह की सतनाली चौक महेंद्रगढ़ में ट्रैक्टर रिपेयर की दुकान है। रविवार रात करीब आठ बजे वह बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहा था कि कोटिया गांव के समीप सामने से तेज गति से आ रही एक गाड़ी ने टक्कर मार दी। वाहनों की आमने सामने की टक्कर में बाइक सवार व्यक्ति सड़क पर जा गिरा तथा जख्मी हो गया, वहीं बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। राहगीरों ने घायल को उप नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को अपनी कस्टडी में लेकर जांच शुरू की। सिटी पुलिस थाना इंचार्ज रविंद्र सिंह ने बताया कि मृतक के भतीजे अक्षय की शिकायत पर हादसे के आरोपित गाड़ी चालक के विरूद्ध बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

तकनीकी कार्य स्थगित होने पर प्रभावित रेल सेवाएं 12 व 13 को रहेंगी री-स्टोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

उत्तर पश्चिम रेलवे पर जयपुर मंडल के खातीपुरा स्टेशन यार्ड में खातीपुरा फेज द्वितीय चरण कार्य के अंतर्गत तकनीकी कार्य किया जा रहा था, जिसे अब स्थगित किया जा रहा है। इस कार्य के स्थगित हो जाने के कारण प्रभावित रेलसेवाओं को री-स्टोर किया जा रहा है। रेलवे प्रवक्ता ने बताया कि गाड़ी संख्या 09635 जयपुर-रेवाड़ी स्पेशल रेलसेवा 13 जुलाई को री-स्टोर रहेगी। गाडी संख्या 09636 रेवाड़ी-जयपुर स्पेशल ट्रेन 13 जुलाई को री-स्टोर रहेगी।

मार्ग परिवर्तित री-स्टोर रेलसेवाएं: गाड़ी संख्या 14322 भुज-बरेली रेलसेवा 12 जुलाई को अपने निर्धारित मार्ग अनुसार संचालित होगी। गाड़ी संख्या 15014 काठगोदाम-जैसलमेर रेलसेवा 12 जुलाई को अपने निर्धारित मार्ग अनुसार संचालित होगी। गाड़ी संख्या 12015 नई दिल्ली-अजमेर रेलसेवा 13 जुलाई को अपने निर्धारित मार्ग अनुसार संचालित होगी। गाड़ी संख्या 20964 वाराणसी-साबरमती एक्सप्रेस 12 जुलाई को, गाड़ी संख्या 14661 बाड़मेर-जम्मूतवी एक्सप्रेस 13 जुलाई को, गाड़ी संख्या 14853 वाराणसी सिटी-जोधपुर एक्सप्रेस 12 जुलाई को तथा गाड़ी संख्या 12403 प्रयागराज-लालगढ एक्सप्रेस 12 जुलाई को अपने

जयपुर-भिवानी स्पेशल ट्रेन में 4 द्वितीय श्रेणी के डिब्बे बढ़ाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- अनारक्षित टिकट वाले यात्री भी इन कोचों में यात्रा कर सकेंगे

रेलवे प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए जयपुर-भिवानी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा में 4 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढ़ोतरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 09733/09734 जयपुर-भिवानी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा में जयपुर से 8 जुलाई से 31 जुलाई तक एवं भिवानी से 8 जुलाई से 31 जुलाई तक 4 द्वितीय शयनयान श्रेणी केडिब्बे बढ़ाए जा रहे है। अनारक्षित टिकट वाले यात्री भी इन कोचों में यात्रा कर सकेंगे।

श्री श्याम प्रभु के 118वें भव्य संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे

मनमोहक भजनों से श्री श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया

'फूलों में सज रहे हैं श्री वृंदावन बिहारी, और संग सज रही है वृषभानु की दुलारी'...

- नई अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर में देवशयनी एकादशी पर आयोजित सकीर्तन में भजनों पर भावविभोर हुए श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नई अनाजमंडी स्थित श्री श्याम बाबा के मंदिर में गत रात्रि देवशयनी एकादशी पर श्री श्याम प्रभु के 118वें भव्य संकीर्तन का भवय आयोजन किया गया। श्री श्याम श्रृंगार सेवा ग्रुप की ओर से आयोजित श्री श्याम संकीर्तन में गुरुग्राम से भजन गायक शुभम ठाकरान व गोकलगढ़ से गायक संजय शर्मा ने अनेक मनमोहक भजनों से श्री श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। एकादशी पर श्याम बाबा का मनमोहक श्रृंगार मॉडल टाउन निवासी महावीर सिंह यादव तथा कुतुबपुर निवासी मनोज सैनी व सुनील कुमार ने कराया। श्रृंगार सेवा ग्रुप के सदस्यों ने श्याम बाबा की विधिवत रूप से ज्योत प्रज्वलित करके संकीर्तन का शुभारंभ किया। शिव मंदिर में अमृत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

रेवाड़ी। संकीर्तन में सजा श्रीश्याम बाबा का दरबार। व श्याम संकीर्तन में भजन गाते हुए गायक संजय शर्मा। फोटो: हरिभूमि

गायकों ने भजनों से बांधा समां

एकादशी पर गोकलगढ़ से भजन गायक संजय शर्मा ने गणेश वंदना व 'सारी दुनिया से मैं हारा, मेरा बन जाओ श्याम सहारा', 'फूलों में सज रहे हैं श्री वृंदावन बिहारी और संग सज रही है वृषभानु की दुलारी' सहित अनेक भजन सुनाकर संकीर्तन में समां बांधा। इसके बाद गुरुग्राम से गायक शुभम ठाकरान ने अनेक भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। भजन गायक ने 'श्याम बाबा की जय, खाटूवाले की जय, बोलो-बोलो प्रेमियों श्याम बाबा की जय'..,'बैठा है मेरा सांवरा भंडार खोल कर, गिन कर नहीं वो दे रहा और न ही तोल कर, जैसी है जिसकी भावना उतना वो पा रहा, दरबार मेरे श्याम का सबको बुला रहा' व 'आज तेरा दरबार लगा, गूंज रहा है जयकारा, दुनिया आई लूटन खातर खोल दुआ का भंडारा, तुम इतने प्यारे हो बाबा, किसी की नजर न लगे, श्याम सरकार '.,'सुन ले कन्हैया अर्जी हमारी, तारो न तारो मर्जी तुम्हारी'.. 'एक भरोसों थारो है, तू ही पथ राखन हारो है, छोटो सो मेरों काम जी, मेरी राखों गे लाज, खाटू के बाबा श्याम जी मेरी रखोगे लाज'.. सहित अनेक भाव भरे भजनों से बाबा की महिमा का गुणगान किया।

इन लोगों की रही श्याम दरबार में हाजरी

श्याम बाबा के जागरण में चरत अग्रवाल, रवि भट्ठेवाले, विजय अग्रवाल, रितेश बंसल, विकास बंसल, राजुल, अमित गुप्ता, महेश गोयल, मनीष सचदेवा, अनिल मखीजा, सुभाष शर्मा, अनिल गुप्ता, भूपेन्द्र गुप्ता, नवीन भारद्वाज, हेमंत, मीनाक्षी, शीतल, वंदना, नंदिनी, हिना, शालू, सपना, चारू, आरती व कविता सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले फाइनेंसरों की गिरफ्तारी की मांग

कनीना। कनीना विकास खंड के गांव चेलावास निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति से लाखों रुपये ऐंठने के चलते आत्महत्या के मामले में सोमवार को सहरावत खाप ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपकर कथित फाइनेंसरों की गिरफ्तारी की मांग की है। सौंपे गए ज्ञापन में सहरावत खाप के पदाधिकारियों ने चार कथित फाइनेंसरों की ओर से लाखों रुपये एंठने पर मानसिक दबाव में आकर आत्महत्या के लिए मजबूर करने की बात कही है। खाप के राष्ट्रीय प्रधान मूलचंद, सलाहकार सूरजभान, तालमेल कमेटी प्रमुख मुखत्यार सिंह, जिला प्रधान रामधन सिंह, संदीप सहरावत, अशोक सेहरावत, अजीत सिंह, विनय सहरावत दिल्ली, विक्की, अजय, कुलदीप, रमेश की ओर से बताया गया कि मृतक से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ था। जिसे लेकर मृतक कृष्ण की पत्नी माया देवी की शिकायत पर सिटी थाना पुलिस ने चार नागरिकों के खिलाफ केस दर्ज किया था। माया देवी के हवाले से खाप प्रतिनिधियों ने बताया कि 45 वर्षीय कृष्ण कुमार से नीतू, पवनवीर, योगेश वासी मेघनवास की ढाणी हाल आबाद गुढ़ा ने दबाव बनाकर अब तक 15 लाख रुपये ऐंठ लिए। इसी प्रकार एयू फाइनेंस कम्पनी कर्मचारी आशीष ने बैंक लोन क्लीयर करने के नाम पर दो लाख 10 हजार रुपये की तीन किश्त ले गया।

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत लाला के मेन जोहड़ को आठ वर्ष के लिए मछली पालन पर पट्टे पर छोड़ने हेतु खुली बोली दिनांक 10.07.2025 को प्रातः 11:00 बजे मौके पर लगाई जाएगी।

हस्ता/- पूजा देवी, सरपंच,
ग्राम पंचायत लाला, जिला रेवाड़ी
सम्पर्क सूत्र 8295551779

आरती के प्रति टिप्पणी का कड़ा विरोध, राव समर्थकों में लगातार बढ़ रहा रोष

रेवाड़ी। रामगढ़ भगवानपुर में नागरिक अस्पताल का निर्माण कराने की मांग को लेकर दिए जा रहे अनिश्चितकालीन धरने के दौरान कैबिनेट मंत्री आरती राव के प्रति की गई अशोभनीय टिप्पणी को लेकर राव समर्थकों में रोष बढ़ रहा है। राव समर्थकों ने टिप्पणी करने वाले लोगों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। समर्थकों का कहना है कि आरती राव क्षेत्र के विकास की दिशा में तेजी से कार्य रही हैं। वह भाजपा के प्रति पूरी तरह से समर्पित भाव से कार्य करते हुए विधायक और मंत्री बनी हैं। विरोधी राजनीति में उनकी बढ़ती सक्रियता को पचा नहीं पा रहे हैं। एक महिला के प्रति इस तरह की टिप्पणी करना संपूर्ण महिला जगत का अपमान है।

बदतमीज लोगों को रखें मंच से दूर

धर्मबीर उर्फ गबरू ।

ब्लॉक समिति के वाइस चेयरमैन प्रदीप बाम्बड़ ने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन करना सभी का अधिकार है। आंदोलन के दौरान हुई महापंचायत में बाहर से आए लोगों ने आरती राव के प्रति जिस तरह की टिप्पणी की है, उसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। आंदोलन पर बैठे प्रबुद्ध लोगों को चाहिए कि वह भविष्य में ऐसे बदतमीज किस्म के लोगों को मंच से दूर रखें।

आरती राव ने शुरू किए थे प्रयास

ज्ञानेंद्र सिंह फिदेड़ी।

फिदेड़ी निवासी ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि नागरिक अस्पताल के निर्माण का मामला वर्षों से लटका हुआ है। प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद आरती राव ने ही अस्पताल निर्माण की दिशा में कदम आगे बढ़ाए। उन्होंने खुद अस्पताल के लिए जमीन की तलाश शुरू की। विरोधी उनकी बढ़ती लोकप्रियता से परेशान हो गए हैं।

अभद्र टिप्पणी करने वाले माफी मांगे

प्रदीप बाम्बड़।

बाम्बड़ के सरपंच प्रतिनिधि धर्मबीर उर्फ गबरू ने महापंचायत के दौरान कैबिनेट मंत्री आरती राव के खिलाफ की गई टिप्पणी की कड़ी निंदा की है। एक बयान में धर्मबीर ने कहा कि आरती राव क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तार देने की दिशा में गंभीरता से प्रयास कर रही हैं। महापंचायत में भाजपा नेत्री के खिलाफ अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों को सार्वजनिक मंच से ही माफी मांगने चाहिए।

छवि खराब करने की रची साजिश

सरपंच प्रमेंद्र सिंह

जांटी के पूर्व सरपंच प्रमेंद्र सिंह ने कहा कि राव दक्षिणी हरियाणा के सबसे लोकप्रिय और जनाधार वाले नेता हैं। क्षेत्र में उनके प्रभाव के कारण ही भाजपा को इस इलाके में विधानसभा चुनावों में उम्मीद से बढ़कर सफलता मिली। विरोधी उनकी छवि खराब करने का षड़यंत्र रच रहे हैं, परंतु वह अपनी योजना में कामयाब नहीं होंगे। इस तरह की टिप्पणी करने वाले लोग इलाके का भला देखना नहीं चाहते।

खबर संक्षेप

गोल्ड मेडल जीतने पर वंश सोनी का हुआ सम्मान

रेवाड़ी। दिल्ली नेवी बेस में आयोजित स्विमिंग समर कैंप में स्वर्ण पदक विजेता वंश सोनी का मौहल्लावासियों ने फूलमालाओं से स्वागत व सम्मान किया। लोगों ने कहा कि वंश सोनी न केवल अपने परिजनों, बल्कि जिले व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर वंश के दादा अभय सिंह, दादी सरस्वती देवी, पिता कुलदीप सोनी और मां प्रियंका ने खुशी जाहिर की।

प्रज्ञा बंसल ने उत्तीर्ण की सीए परीक्षा

कोसली। कोसली स्टेशन क्षेत्र निवासी प्रज्ञा बंसल ने पहले ही प्रयास में सीए परीक्षा पास कर अपने परिजनों व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रज्ञा ने परीक्षा में बिना कोचिंग के घर पर पढाई कर 600 में से 330 अंक हासिल किए। प्रज्ञा का सपना आईएएस अधिकारी बनने का है। प्रज्ञा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता ललित व मां मंजू बंसल को दिया हैं। क्षेत्र से ब्लॉक समिति सदस्य सुनील गर्ग, पुरुषोत्तम गोयल, नवीन गोयल, महेंद्र गर्ग, अजय सिंगला, राजेश गुप्ता, बृजमोहन बंसल, विजय गुप्ता, तेजपाल गर्ग, सुनिल गोयल, सोनू बंसल, प्रमोद गर्ग, शंकर गर्ग व कपूर बंसल ने प्रज्ञा को बधाई व शुभगामनाएं दी है।

पौधरोपण के साथ उनकी देखभाल भी बेहद जरूरी

रेवाड़ी। गांव प्राणपुरा-गोपालपुरा में सोमवार को पौधरोपण अभियान चलाया गया। कर्नल राजेंद्र यादव व सुबेदार दीपक ने गांव की बणी व मंदिर में पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल की शपथ भी ली। कर्नल राजेंद्र यादव ने कहा कि पौधरोपण के साथ उनकी देखभाल भी बेहद जरूरी है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधा लगाने का तात्पर्य भी यही है, ताकि हमेशा पौधे की देखभाल की जाए। इससे आने वाली पीढी को संस्कार मिलेंगे और पर्यावरण भी बचाया जा सकेगा। इस दौरान सुबेदार मेजर नित्यानंद, यतेंद्र, जयकिशन व राजपाल सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

आंदोलन के बीच राजनीति चमकाने वाले लोगों की कमी नहीं

अस्पताल की मांग को लेकर धरना जारी महापंचायत में बाहरी लोगों ने बदला माहौल

राव के विरोध की राजनीति करने वाले उठा रहे मौके का फायदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर रामगढ़ भगवानपुर में चल रहा धरना 21वें दिन भी जारी रहा। धरने पर बैठे लोगों ने एक बार फिर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह पर वादा खिलाफी के आरोप लगाते हुए गांव में ही अस्पताल निर्माण की मांग दोहराई। इससे पूर्व 29 जून को महापंचायत में शामिल हुए राव के विरोध की राजनीति करने वाले 'बाहरी' लोगों ने अभद्र भाषा के इस्तेमाल से माहौल बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी, जबकि ऐसे लोगों का अस्पताल को लेकर कोई लेना-देना तक नहीं बताया जा रहा। धरनास्थल पर बैठे वक्ताओं ने कहा कि रामगढ़ भगवानपुर की पंचायत ने पानी के लिए लगभग 10 एकड़ जमीन सरकार को मुहैया कराई है, इसलिए इसी गांव का अस्पताल पर हक बनता है। अस्पताल निर्माण के लिए यह गांव पूरी तरह फिट है। अगर प्रदेश सरकार ने गांव में अस्पताल खोलने की बजाय किसी और जगह को चुना, तो उनका आंदोलन तेज हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 15 जुलाई को हजारों की संख्या में लोग जिला मुख्यालय की ओर कूच करेंगे। इसके लिए आसपास के गांवों में जनसंपर्क तेज किया हुआ है। वक्ताओं ने कहा कि रामगढ़ भगवानपुर में अस्पताल खोलने की बजाय इसे दूसरे गांव में ले जाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जब तक गांव में अस्पताल बनाने की घोषणा नहीं होगी, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। धरने पर बैठने वाले लोगों में रामगढ़, भगवानपुर, बुड़ाना, बुड़ानी, हांसाका, खटावली व मीरपुर सहित कई गांवों के लोग शामिल थे।

राव विरोधी दिखा रहे एकजुटता

अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर रामगढ़ भगवानपुर व आसपास के लोग शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन कर रहे हैं। इस आंदोलन में ऐसे लोगों की एंट्री हो चुकी है, जिनका मूलमंत्र ही राव इंद्रजीत सिंह व सरकार का विरोध करना है। यह लोग जहां भी आंदोलन की खबर मिलती है, सरकार के खिलाफ अपनी राजनीति चमकाने के लिए पहुंच जाते हैं। इस आंदोलन में भी ऐसे कई लोग 'बिना बुलाए मेहमान' की तरह पहुंचकर अपनी राजनीति को खूब चमका रहे हैं। इन लोगों का मकसद हर हाल में सरकार और राव इंद्रजीत सिंह का विरोध करना है।

सक्रियता दिखाते ही बढ़ी परेशानी

नागरिक अस्पताल को शहर से बाहर शिफ्ट करने की योजना जमीन के अभाव में चार साल से लटकी हुई है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के पास पर्याप्त बजट भी आ चुका था। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने जमीन की समस्या का हल निकालने के लिए खुद मैदान में आकर आसपास के गांवों में जमीन का निरीक्षण किया था, ताकि चयन के बाद अस्पताल निर्माण का रास्ता साफ हो सके। ऐसा माना जा रहा है कि आरती की सक्रियता को उनके राजनीतिक विरोधी हजम नहीं कर पाए, जिससे उनकी परेशानी बढ़ाने में कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

बाहरी लोग बिगाड़ गए थे माहौल

धरने के दौरान हुई महापंचायत में कई 'बाहरी' लोग भी शामिल हुए थे। इनमें से दो लोगों ने राव इंद्रजीत सिंह और उनकी बेटी आरती राव के खिलाफ जमकर जहर उगला था। धरनास्थल के आयोजकों का दावा है कि ऐसे लोगों को महापंचायत का मंच इस्तेमाल नहीं करने दिया था। इन लोगों ने मीडिया के समक्ष व्यक्तिगत बयानबाजी की थी। अशोभनीय भाषा के इस्तेमाल का उन्हें भी अफसोस है। जो दो लोग एक वीडियो में अनाप-शनाप शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, उनका इस जिले या हलके से कोई सरोकार नहीं बताया जा रहा। यह लोग शायद राव पर निशाना साधने के लिए ही मंच की तलाश में पहुंचे थे।

राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए 11 तक करें आवेदन

- ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे
- शिक्षक के पास 15 बर्ष का अनुभव जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शिक्षा विभाग हरियाणा की ओर से योग्य अध्यापकों से राज्य शिक्षक पुरस्कार-2025 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। योग्य और पात्र अध्यापक 11 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि केवल लिंक अथवा पोर्टल के माध्यम से प्राप्त होने वाले ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे। डीसी ने बताया कि राज्य शिक्षक पुरस्कार पाने वाले शिक्षक को प्रोत्साहन राशि के तौर पर एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

डीसी अभिषेक मीणा।

इनता ही नहीं पुरस्कार पाने वाले शिक्षक को प्रोत्साहन राशि के साथ-साथ एक रजत पदक, एक प्रमाणपत्र, एक शाल के साथ संपूर्ण भावी सेवा के लिए महंगाई भत्ते के साथ दो अग्रिम वेतन वृद्धियां भी मिलेंगी। उन्होंने बताया कि पुरस्कार के लिए शिक्षक के पास कम से कम 15 वर्षों का नियमित शिक्षण अनुभव होना चाहिए। वहीं 20 वर्षों के नियमित शिक्षण अनुभव के साथ प्रधानाध्यापक एवं प्राचार्य जिनमें से सीडीसी प्रभार सहित हेड मास्टर या प्रिंसिपल के रूप में कम से कम पांच वर्ष की सेवा जरूरी है। डीईओ, बीईओ, बीईईओ और एससीईआरटी व एसएसए के कर्मचारी और निदेशालय में कार्यरत कर्मचारी इन पुरस्कारों के लिए पात्र नहीं हैं।

यह है आवेदन प्रक्रिया

शिक्षक को प्रवेश पत्र के साथ एक पोर्टफोलियो ऑनलाइन ही जमा करना होगा। पोर्टफोलियो में प्रासंगिक सहायक सामग्री जैसे दस्तावेज, उपकरण, गतिविधियों की रिपोर्ट, क्षेत्र का दौरा, फोटो, ऑडियो व वीडियो शामिल होंगे। प्रत्येक आवेदक को एक वचनबद्धता देनी होगी कि उसकी सभी जानकारी या डेटा सही है। यदि बाद में कुछ भी असत्य पाया जाता है तो वह अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होगा। शिक्षकों के नाम की अनुशंसा सबसे पहले जिला स्तरीय समिति द्वारा ऑनलाइन वेब पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। जिला चयन समिति राज्य स्तरीय समिति को नामों की सिफारिश करेगी। जो नीतिगत मानदंडों के आधार पर शिक्षकों के नामों की राज्य सरकार को अंतिम रूप से सिफारिश करेगी।

सार्वजनिक स्थानों पर रहें सावधान, हो सकते साइबर धोखाधड़ी के शिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि डिजिटल क्रांति के युग में ज्यादातर काम ऑनलाइन हो गया है या फिर हम अपने मनोरंजन के लिए इंटरनेट यूज करते रहते है। शॉपिंग से लेकर बिल भरने तक बैंक से जुड़े कई काम करने में हम ऑनलाइन मोबाइल, लैपटाप या अन्य डिवाइस का प्रयोग करते है। कई बार जालसाज इन उपकरणों को विभिन्न तरीकों से हैक करके डाटा चुराकर साइबर क्राइम को अंजाम देते है। वर्तमान में सक्रिय साइबर अपराधी साइबर ठगी करने के नए-नए तरीके अपना रहे है।

अब साइबर अपराधी लोगों से ठगी के लिए सार्वजनिक स्थानों पर ब्लूटूथ को हथियार बना रहे हैं। पुलिस की ओर से समय-समय पर साइबर अपराध से बचने के लिए एडवाइजरी जारी की जाती है ताकि आमजन सतर्क व सचेत रहकर अपने पैसे की सुरक्षा कर सकें। एसपी मीणा ने कहा कि कई बार हम जब बाहर होते है तो हमारे मोबाइल, लैपटॉप व अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ ब्लूटूथ का इस्तेमाल करते है, जिससे साइबर ठग अपने मोबाइल फोन को हमारी ब्लूटूथ के साथ कनेक्ट करके अकाउंट में सेंध लगा सकते है। उन्होंने बताया कि साइबर ठग भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाकर अपने मोबाइल फोन से अन्य व्यक्ति के मोबाइल फोन पर ब्लूटूथ कनेक्ट की रिक्वेस्ट सेंड करते है। जैसे ही किसी मोबाइल फोन के ब्लूटूथ के साथ कनेक्ट होते है तो उस व्यक्ति का सारा डाटा हैक कर लेते है और इस प्रकार उसका सारा अकाउंट खाली कर देते है।

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा।

युवा नशा नहीं, शिक्षा चुनें और बेहतर समाज के लिए मिलकर कदम बढ़ाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा स्टेट नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानि एचएसएनसीबी यूनिट की ओर से सोमवार को एक निजी एजुकेशन अकेडमी में नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य समाज में नशे के खिलाफ जन-जागरूकता फैलाना और युवाओं को इसके खतरों से सतर्क करना है। इस मौके पर एनसीबी जिला यूनिट इंचार्ज निरीक्षक नीरज कुमार ने कहा कि राज्य सरकार और नारकोटिक्स विभाग नशा मुक्त हरियाणा के संकल्प के साथ लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि नशा सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, पूरे समाज की समस्या है, जिसे मिलकर ही जड़ से खत्म किया जा सकता है। एएसआई सुरेश कुमार एवं अकेडमी के डायरेक्टर जतिन बांगर ने छात्रों और स्टाफ को नशे से बबार्दी और इसके सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक प्रभावों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि नशे की लत व्यक्ति के भविष्य को अंधकारमय बना देती है। निरीक्षक नीरज कुमार ने कहा कि एचएसएनसीबी का लक्ष्य है कि हर व्यक्ति जागरूक बने और नशे के खिलाफ एक प्रहरी की भूमिका निभाएं। उन्होंने की एचएसएनसीबी प्रमुख पहल नमक लोटा अभियान, साइक्लोथॉन और नशा मुक्त जीवन-नायाब जीवन की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवा नशा नहीं, शिक्षा चुनें और एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए मिलकर कदम बढ़ाएं। कार्यक्रम के अंत में सभी से अपील की गई कि यदि किसी को कहीं भी नशे का अवैध व्यापार होता दिखाई दे, तो वे भारत सरकार के टोल-फ्री नंबर 1933, ऑनलाइन पोर्टल एनसीबीमानस.जीओवी.इन, या हरियाणा एनसीबी के हेल्पलाइन नंबर 90508-91508 या यूनिट इंचार्ज के मोबाइल नंबर 98131-36557 पर तुरंत सूचना दें।

रेवाड़ी। अकेडमी में विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए एनसीबी टीम। फोटो : हरिभूमि

प्रो. करण सिंह बने कुलपति के तकनीकी सलाहकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के रसायन विज्ञान विभाग में कार्यरत विभागाध्यक्ष प्रोफेसर करण सिंह को कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी के तकनीकी सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनकी शैक्षणिक योग्यता एवं शोध कार्यों में दक्षता को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह ने प्रोफेसर करण सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी। कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने उन्हें कड़ी मेहनत एवं निष्ठा पूर्वक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रोफेसर करण सिंह आइजीयू में अधिष्ठाता छात्र कल्याण के पद का कार्य भी देख रहे हैं। पूर्व में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम समन्वयक भी रह चुके हैं एवं रसायन विभाग के अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता भी हैं। इस अवसर पर प्रोफेसर करण सिंह ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है वह उसे ईमानदारी, मेहनत एवं पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। साथ ही, विश्वविद्यालय को शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जाएगा। विवि के सभी शिक्षकों और गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

प्रोफेसर करण सिंह।

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने डीसी अभिषेक मीणा के साथ समाधान शिविर में सुनी लोगों की समस्याएं

आमजन को गुमराह न करें, शिकायतों को शीघ निपटाएं अधिकारी व कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान करते हुए उन्हें शीघ्र राहत पहुंचाने का कार्य करें, कोई भी अधिकारी व कर्मचारी किसी भी नागरिक को गुमराह न करें। विधायक सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर में डीसी अभिषेक मीणा के साथ लोगों की शिकायतों को सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन की प्राथमिकता है कि नागरिकों को उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समाधान शिविरों में आई शिकायतों की स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे है।

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सभी नीतियां आमजन के हित में लागू की जा रही हैं। मुख्यमंत्री की सोच है कि हर वर्ग की समस्या को सुना जाए और उनका त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार अंत्योदय की भावना से कार्य करते हुए जनसेवा करने में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

रेवाड़ी। समाधान शिविर में जन समस्याओं को सुनते विधायक, डीसी व एसपी।

अब तक 3473 में से 2900 श शिकायतों का हुआ समाधान

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि जिला प्रशासन समस्याओं के निदान को लेकर पूरी तरह से गंभीर है। जिले के अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। समस्याओं की वर्तमान स्थिति भी पोर्टल पर अपडेट की जा रही है। डीसी ने बताया कि समाधान शिविर में अब तक कुल 3473 शिकायतें प्राप्त हुई है, जिनमें से 2900 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है और 323 शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया अमल में लाई जा रही है। समाधान शिविर में नागरिक परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और अन्य सरकारी योजनाओं तथा पुलिस विभाग से जुड़ी समस्याएं रखी गई। इस अवसर पर एसपी हेमेन्द्र मीणा, एडीसी राहुल मोदी, एसडीएम सुरेंद्र सिंह व सीटीएम प्रीति रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील

विधायक ने कहा बरसात के मौसम में वन विभाग, पंचायत, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के साथ मिलकर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधारोपण करें। उन्होंने कहा कि लगाए गए पौधों का सही ढंग से रखरखाव करते हुए उनका संरक्षण भी किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया है। पेड़ हमारे जीवन के लिए अहम है, इसलिए आमजन भी एक पौधा अवश्य लगाएं और उसे संरक्षित करने का कार्य करे। उन्होंने कहा कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में बरसात के मौसम में कही भी जलभराव न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाएं तथा सभी विभागाध्यक्ष भी अपने-अपने कार्यालयों व आसपास सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखे।

नौ जुलाई को हड़ताल में शामिल होंगी आशा कार्यकर्ता

रेवाड़ी। केंद्रीय श्रमिक संगठन ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर यानि एआईयूटीयूसी से संबंधित आशा कार्यकर्ता यूनियन 9 जुलाई को की राज्य अध्यक्ष राजबाला यादव व सचिव संतोष यादव ने बताया कि 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल में भाग लेगी। उन्होंने कहा कि देश के 10 केंद्रीय श्रमिक संगठनों की ओर से होने वाली हड़ताल में 9 जुलाई को सभी आशा कार्यकर्ता जिले में प्रदर्शन करके अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करेंगी। राज्य सचिव संतोष यादव ने बताया हड़ताल को लेकर यूनियन की व्यापक तैयारियां चल रही है। उन्होंने बताया कि हड़ताल में बीजेपी सरकार द्वारा लागू किए जाने वाले चार लेबर कोड के खिलाफ आवाज उठाई जाएगी और आशा कर्मियों सहित सभी स्कीम वर्कर्स को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, 26000 न्यूनतम वेतन देने व उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने भी मांग उठाई जाएगी।